ॐ

श्रीजैनपुस्तकालय बनारसका

जैनतिथिदर्पण।

वीरनिर्वाण संवत् २४३९ का।

मूल्य)॥ आना। डाक खर्च ५ तक)॥

धर्मप्रश्नोत्तरवचनिका।

यह ग्रंथ सकलकीर्ति आचार्यकृत संस्कृतमें है जिसका दूसरा नाम प्रश्नोत्तरश्रावकाचार भी है इसकी सरलवचनिका श्रीयुतपंडित लालारामजीसे कराई गई है। इसमें दशलक्षणधर्मपृच्छा, श्रावकधर्मपृच्छा, रत्नत्रयमोक्षमार्गपृच्छा, तत्त्वपृच्छा, कर्मविपाकपृच्छा और सज्जनचित्तवल्लभपृच्छा इसप्रकार ६ अध्याय हैं जिनमें ११२१ प्रश्न और उनके सविस्तर उत्तर हैं। सर्वदशी सब भाइयोंके समझनेयोग्य स्वाध्याय करनेकेलिये बहुत ही उपयोगी ग्रंथ है। इसमें कागज इतना मोटा लगाया है कि वैसा कोई नहीं लगाता। अक्षर बडे और सुंदर निर्णयसागरकी टाइपमें छपा है। जिल्दसहित २६८ पृ. न्यो २) है।

सर्वप्रकारकी पुस्तकें मिलनेका पता--

श्रीलालजैन मैनेजर-

जैनपुस्तकालय बनारससिटी।

Printed by Gauri Shanker Lal Manager, at the C P Press, Benares
Published by Shri Lal Jain Benares